प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

पंतनगर में गाजर घास जागरूकता एवं प्रबंधन सप्ताह प्रारम्भ

पंतनगर। 16 अगस्त, 2019। पंतनगर विश्वविद्यालय के एन. ई. बोरलॉग फसल अनुसंधान केन्द्र में अखिल भारतीय समन्वित खरपतवार प्रबंधन शोध परियोजना के अन्तर्गत गाजर घास जागरूकता सप्ताह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। परियोजना समन्वयक, डा. वी. प्रताप सिंह, ने गाजर घास के प्रकोप से होने वाले क्षतियों एवं उन्मूलन के बारे में जागरूक करते हुए बताया कि गाजर घास फसलों, मनुष्यों, पशुओं एवं वातावरण को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से नुकसान पहुंचाती है इससे मनुष्यों में त्वचा एवं श्वास संबधित रोग उत्पन्न हो जाते है। उन्होंने कहा कि इसका समय पर नियंत्रण करना अत्यंत आवश्यक है और पशुओं एवं मनुष्यों को रोग मुक्त करने के लिए गाजर घास का उन्मूलन पुष्पावस्था आने से पूर्व ही कर लेना चाहिए। डा. सिंह ने कहा कि गाजर घास के प्रति किसानों में जागरूकता लाने के लिए समय-समय पर अभियान भी चलाया जाना चाहिए, ताकि गाजर घास की शुरूआती अवस्था में ही नियंत्रण किया जा सके। गाजर घास के नियंत्रण के लिए यांत्रिक, जैविक तथा रासायनिक विधि से नियंत्रण करने हेतु चर्चा की गयी।

इस कार्यक्रम में परियोजना के वैज्ञानिक, पी.डी.एफ., एस.आर.एफ, परियोजना सहायक, अन्य वैज्ञानिक तथा केन्द्र के कर्मचारी एवं श्रमिक सम्मलित हुए, जिन्होंने प्रक्षेत्र में उगे हुए गाजर घास को जड़ से उखाड़कर नष्ट किया, जिससे भविष्य में इसका प्रक्षेत्र में फैलाव न हो सके। इस कार्यक्रम में लगभग 60 लोग शामिल हुए।

गाजर घास जागरूकता एवं प्रबंधन सप्ताह के अन्तर्गत गाजर घास को जड़ से उखाड़कर नष्ट करते परियोजना के वैज्ञानिक व कर्मचारी।